

I Semester B.C.A./B.Sc. (FAD) Examination, March/April 2023  
(NEP) (F+R) (2021 – 22 and Onwards)

HINDI

Nibhandh, Alekhan Aur Sankshepan

Time : 2½ Hours

Max. Marks : 60

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए ।

(10×1=10)

- 1) विदेशी विद्वान कितने बजे राष्ट्रपति भवन पहुँच गए थे ?
- 2) किस रूपवती गणिका ने बुद्धदेव को आप्रवन भेंट किया था ?
- 3) जीवन किसकी सृष्टि है ?
- 4) वैशाली धार्मिक दृष्टि से कैसी संगमस्थली है ?
- 5) जिज्ञासा का सम्बन्ध किसका विषय है ?
- 6) आलोपी की उम्र कितने वर्ष थी ?
- 7) सवरे लेखक का दरवाजा किसने खटखटाया ?
- 8) किसने कौवे की चोंच को सोने से मढ़वाने का वादा किया होगा ?
- 9) दूसरी बार किसे देश का गवर्नर बनाकर भेजा गया ?
- 10) “जीवन अपनी देहरी पर” के निबंधकार का नाम क्या है ?

II. किन्हीं दो की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए ।

(2×7=14)

- 1) इस उत्तर ने उस उदासी और झोंप के क्षण को गुदगुदाने वाला बना दिया और दोनों ही महीन बालकों की तरह खिलखिलाकर हँस पड़े ।
- 2) किसी को रत्न-द्रव्य में मिलता है, किसी को भरे-पूरे परिवार में, लम्बे-चौड़े भवन में, ऐश्वर्य में ।
- 3) नहीं तो यह समय भी बीत जावेगा और फिर आपका करने-धरने का अधिकार कुछ न रहेगा ।

III. किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए ।

(1×16=16)

- 1) आलोपी विकलांग होकर भी, उसने अपना जीवन सार्थक बनाया । इस कथन को घटनाओं के माध्यम से समझाइए ।
- 2) “आनन्द के क्षण” निबंध का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।



IV. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए ।

(1×5=5)

- 1) गधा-सेवक-संघ ।
- 2) जीवन में साहित्य ।

V. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(2×4=8)

- 1) आलेखन की किन्हीं दो विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
- 2) टिप्पण कितने प्रकार के होते हैं ? समझाइए ।
- 3) 14 सितम्बर को महाविद्यालय में मनाए गए “हिन्दी-दिवस” कार्यक्रम का प्रतिवेदन (रिपोर्ट) तैयार कीजिए ।

VI. निम्नलिखित अनुच्छेद का एक-तिहाई शब्दों में संक्षेपण करके एक उचित शीर्षक लिखिए ।

7

कम्प्यूटर आजकल हमारे जीवन और कार्यशैली का एक आवश्यक अंग बन गया है । कम्प्यूटर के अनेक लाभ हैं तो इसमें कुछ कमियाँ भी हैं । जिस तरह मानव-जीवन में कुछ सीमाएँ होती हैं, वैसे ही कम्प्यूटर की भी सीमाएँ हैं । कम्प्यूटर ठीक से काम कर सके इसके लिए एक निश्चित तापमान (15°C से 35°C के बीच) की आवश्यकता होती है । कम्प्यूटर में स्वयं सोचने-समझने की क्षमता नहीं होती, वह सिर्फ प्रयोगकर्ता के निर्देशों के आधार पर ही परिणाम दे सकता है ।

कम्प्यूटर प्रत्येक कार्य के लिए एक निश्चित क्रम के अनुसार ही कार्य कर सकता है, अगर निर्देशों के क्रम बदल जाते हैं तो कम्प्यूटर या तो परिणाम नहीं देगा या त्रुटिपूर्ण परिणाम हो सकते हैं । अतः कम्प्यूटर की सीमाओं का पर्याप्त ज्ञान प्रयोगकर्ता को होना अनिवार्य है ।